हमारा परम कुल दीप

डिअर कुल्दीप.

यहां सब ठीक है, और आशा करता हूँ वहां भी सब ठीक होगा. मैं जानता हूँ अभी तुम्हारी ड्यूटी बहुत हेक्टिक चल रही होगी,बॉर्डर पर काफी परेशानी चल रही है न अभी. तुम यहाँ की बिल्कुल टेंशन मत लेना, सब ठीक है. हरमीत की पढाई भी अच्छी चल रही. अभी परीक्षा की तैयारी में लगी है. रुहान भी ठीक है. तुम्हें बहुत मिस नहीं करता. जानता हूँ, तुम उसे लेकर परेशान हो, लेकिन कुल्दीप हमने पहले ही इस बारे में बात कर ली थी कि अब जो होगा, मिल कर उसका सामना करेंगे. जैसे ही तुम्हें वहाँ पे क्वार्टर मिल जाये, हम सभी फिर से साथ हो जायेंगे.

अच्छा सुनो न, तुम्हें एक बहुत गुड वाली न्यूज़ देनी है. सोचा पहले कर लूँ, तभी तुमको बताऊंगा. जनता हूँ अभी बॉर्डर पर गहमागहमी है, इसलिए आ नहीं सकता बच्चों को लेकर, इसलिए तुम्हें खत लिख रहा हूँ. कुछ दिन पहले हरमीत को स्कूल से लाते वक़्त, रुहान ने आइस गोला का स्टाल देख लिया, और चीखने लगा. हमारी कुछ समझ नहीं आया कि अचानक से इसे क्या हो गया. गाडी रोक कर बीच रास्ते में, मैंने इशारे में उससे पूछने की कोशिश की, कि क्या बात है. तुम तो जानती ही हो जवाब देना तो दूर, वो मेरी सुन भी नहीं रहा था. एक मिनट के बाद उसके चेहरे पर पहली बार, पहली बार कुल्दीप, मैंने और हरमीत ने एक प्यारी सी मुस्कराहट देखी. वो चुपचाप बिना कोई शोर किये आइस गोला वाले स्टाल पर गया और बर्फ को देखने लगा. धीरे से उसने बर्फ को छुआ और ज़ोर ज़ोर से हँसने लगा. कुल्दीप मैं तुम्हें बता नहीं सकता कि उस पल हमें कैसा लग रहा था. जानता हूँ आइस उसके सेहत के लिए ठीक नहीं है. डॉक्टर्स ने मना किया है. लेकिन उसकी मुस्कुराहट में मैं सब भूल गया. मैंने तुरंत उसे आइस गोला खरीद कर दिया.

कुल्दीप आठ साल में पहली बार मुझे लगा कि जैसे रुहान मुझे थैंक यू बोल रहा है. हरमीत ने वीडियो बनाया है. तुम्हें भेज दूंगा.

हमारा बच्चा जिसने कभी अपने इमोशंस हमारे साथ नहीं बांटे, आज वो खुश हुआ. जानता हूँ हमारा रुहान दूसरे बच्चों से अलग है. मानसिक तौर पर कमज़ोर है, लेकिन कुल्दीप उस दिन वो मुस्कुराया. मैंने बिलकुल भी देरी नहीं की और अगले ही दिन शिमला ले जाने की तैयारी में लग गया. मुझे लगा शायद बर्फ ही उसका सच्ची दोस्त बन जाये.

मैं उसे शिमला ले गया कुल्दीप. और तुम विश्वास नहीं करोगी, बर्फ में खेलने की वजह से उसके चेहरे पे मुस्कान आयी. मुझे माफ़ करना मैंने न तो तुम्हें और न ही डॉ. विकास को इस बारे में कोई जानकारी दी. मैं पहले खुद देखना चाहता था. कुल्दीप, रुहान ने पहली बार मुझे पा बुलाया. बर्फ की ठंड चादर ने हमारे रुहान के अंदर की भावनाओं को भी शीतल कर दिया. उसने बोलना शुरू किया है, कुल्दीप. मन तो कर रहा था कि तुरंत तुम्हें किसी भी तरह से अपने पास बुला लूँ और तुम खुद देखो की हमारा रुहान अब ठीक हो रहा है. सोचा भी कि तुम्हारे पास तुमसे मिलवाने कैंप में ले आऊं पर सीमा पे तनाव होने की वजह से प्लान केन्सल करना पड़ा ।

फिर सोचा हम नहीं तो हमारे शब्दों को ख़त के ज़रिए तुम तक पहुँचा देता हुँ।लिख ही रहा था कि न्यूज़ में देखा— बॉर्डर पर गोलीबारी शुरू हो गयी और तुम .....

हमने ये तय किया था ना कि सब साथ में मिल कर करेंगे, अकेले करेंगे ये बात तो तय नहीं हुई थी हमारे बीच. आज रुहान ने पहली बार मां कहा है, कुल्दीप. उसकी खातिर हो सके तो वापिस आ जाओ. मैं उसके टूटे फूटे शब्दों को शायद पूरा सजा नहीं पाउँगा. तुम उसके लिए इतना कर दो. मैंने शब्द दिए, तुम एक पूरा वाक्य बना दो. मैंने ज़िंदगी जीने का तरीका दिया, तुम उसकी ज़िंदगी बन जाओ. हो सके तो वापिस आ जाओ.

तुम्हारा परम.